धरती हमारी है

विलियम काजलेको के एक प्रसिद्ध नाटक का अनुवाद

अनुवादक

रामचंद्र टंडन



राजपाल एण्ड सन्ज़

कश्मीरी गेट, दिल्ली-६

मूल्य
दो रुपये (२.०० नये पैसे)

द्वितीय संस्करण
फ़रवरी, १९५७

मुद्रक :
युगान्तर प्रेस
डफ़रिन पुल, दिल्ली।

दो शब्द

पूजीवादी मनोवृत्ति नई और पुरानी दुनिया का भेद नही स्वीकार करती। वह सब जगह एक-सी है। प्रस्तुत नाटक के पात्रो की कल्पना यद्यपि अमरीका की पृष्ठभूमि में हुई है, फिर भी यह स्पष्ट है कि यह चरित्र किसी देश-विशेष के नही, दूसरे देशो में भी सर्वत्र विद्यमान हैं। सक्षेप मे, पूजीवाद, सभी जगह, थोड़े लोगों द्वारा बहुत लोगो के शोषण की नीव पर स्थित है। यह नीव हिल चुकी है, इसका किंचित सकेत हमे इस नाटक की कथा-वस्तु मे मिलेगा।

पूजीवाद को वहुत अंशो में उस विश्वास से आश्रय मिला है, जिसे हम 'परम्परा' का नाम दे सकते हैं। विविध धार्मिक मत इस परम्परा के अन्तर्गत हैं। अन्तिम दृश्य में पादरी माइकेल ऐना की हत्यारूपी दुर्घटना पर लोगों की उत्तेजना दूर करने के लिए जो उपदेश देता है, उसमें "मृत आत्मा की शान्ति के लिए" लोगों से प्रार्थना करने का आदेश करता है। ग्रूवर उत्तर देता है, "नही पिता, जीवित आत्माओं की शान्ति के लिए! मृत को हम दफ़न कर चुके!" इस उत्तर में समूह की जाग्रति का रहस्य निहित है।

विलियम काज़लेंको का यह नाटक लोक-प्रसिद्ध हो चुका है। कवि श्री सुमित्रानन्दन पन्त के अनुरोध से इसका हिन्दी अनुवाद हुआ था, और वर्षों पूर्व उन्ही के पत्र 'रूपाभ' में यह प्रकाशित भी हुआ था।

अनुवादक

पात्र-पात्री

जो स्टोपा : पोलिश किसान, अवस्था ५२ वर्ष। जरा विदेशी उच्चारण के साथ बोलता है।

ऐना : उसकी पत्नी, बड़ी सीधी स्त्री है, और पति से उम्र में दो वर्ष छोटी है।

अलेक : जो स्टोपा और ऐना का पुत्र। युवक।

मेरी : अलेक की बहन। कुमारी।

लैंग : वाक्पटु और चतुर ठेठ अमरीकी दलाल।

फिंगर : एक व्यापारिक संगठन का स्वार्थरत अधिकारी।

डफी : उच्चाकांक्षी हृदयहीन हाकिम।

वेल्स : उसका सहकारी जो दूसरी परिस्थितियो मे कदाचित् दुकानदार या लारी चलाने वाला होता।

वर्न्स : क्रूर और निर्दय गुंडा।

मर्फी : उसका डरपोक साथी। चिंतित और भयभीत रहने वाला। परन्तु विशेष परिस्थिति में बर्बर।

ग्रूबर : बुद्धिमान किसान। धीरे बोलता है परन्तु उत्तेजित होने पर तेजी से और जोरदार भाषण करता है।

समय

आजकल

स्थान

अमरीका का कोई ग्रामीण कस्बा, जिस पर एक बड़ी व्यापारिक कंपनी का अधिकार है।

पहला दृश्य

स्टोपा की बैठक

जो स्टोपा का दाहिने दरवाजे से प्रवेश। वह हाथ में एक बंडल लिए हुए है, जिसे वह बीच की मेज पर रखता है। इसके बाद वह अपना कोट उतारता है, और उसे कुरसी पर लटकाने जा रहा है। ऐना रसोईघर से पुकारती है :

ऐना

जो, तुम हो ?

जो

हां, ऐना।

ऐना

(स्टेज पर आकर) लाए सब चीजें ?

जो

हां,...सब चीजें। (कोई दरवाजा खटखटाता है) कौन है ?

ऐना

(अपने हाथों को गले में पड़े हुए कपड़े से पोंछती हुई) ठहरो···मैं जाकर देखती हूँ। (वह दरवाजे की ओर जाती है। भयभीत और घबराई हुई आवाज में) ओह, तुम हो ? हूं···जो घर पर नही है।

[यह स्पष्ट हो जाता है कि वह झूठ बोलने में पटु नहीं है।]

लैंग

मिसेज स्टोपा, यह बुत्ता दूसरे को देना। अभी एक मिनट हुए मैंने उसे आते देखा है।

ऐना

तो फिर······(उपेक्षा से) वह तुमसे नही मिलना चाहता।

लैंग

(कुछ परवाह न करता हुआ) वह नही मिलना चाहता, है ? मैं कहता हूं, मिलेगा कैसे नही। मैं एक बड़ी कम्पनी का प्रतिनिधि हूं। कौन मुझसे मिलने से इन्कार कर सकता है ?

ऐना

(अनुरोध से) देखो, किसी दूसरे वक्त आना, मिस्टर। जो की तबियत ठीक नही है···

लैंग

तो उसे थोड़ा-सा रेंडी का तेल पिला दो। अब···हटो मुझे आने दो।

[इस बातचीत के बीच में जो का क्रोध धीरे-धीरे चढ़ रहा

है। वह दरवाजे की तरफ बढ़ता है, उसकी मुट्ठियां बंधी हुई हैं, परन्तु कुछ कदम चलकर रुक जाता है।]

ऐना

नही !

लैग

तुम्हारा हुक्म यहां न चलेगा। चलो, खोलो—(वह उसकी बगल से घुसकर कमरे में आ जाता है। जो को देखता है, और उसका सव्यंग अभिवादन करता है) कहो, जो ! कैसी तबियत है ?

जो

मैं कहता हूं कि अब यहां कभी कदम न रखना। (गुस्से से) तुम्हारा यहा कोई काम नही !

लैग

देखो जो, यह भली बात नही। तुम्हे तो अब तक मुझको अपना एक पुराना दोस्त समझ लेना चाहिए था।

ऐना

हम लोग तुम्हे नही पसन्द करते।

लैग

(तेजी से) समझ देखो, जो ! यह तुम्हे आखिरी मौका मिल रहा है। इससे लाभ उठाना, न उठाना तुम्हारा काम है। बंदर जैसी उछल-कूद बहुत न करो।

जो

मैं कह चुका, नही, लाख बार नही ! मैं यहीं रहूगा। यहा

से हट नही सकता ।

लैग

तुम इस कागज पर दस्तखत कर दो'''नही तो तुम्हारी''' तुम्हारी खैरियत नही । बस, इतना बताए देता हूं ।

जो

दो वर्ष से तुम आकर हमें बराबर धमकियां दे रहे हो । हमारा पीछा तुम क्यो नही छोड़ देते ? और न जाने कितनी जगहें हैं, जिन्हे तुम्हारी कम्पनी खरीद सकती है । फिर तुम यही पर बार-बार क्यो आते हो ?

लैग

(बिगड़कर) क्या तुम समझते हो कि तुम्हारा पीछा करने का मुझे कोई शौक है ? तुम खूब जानते हो कि कंसालिडेटेड कम्पनी को तुम्हारे खेतो की क्यों जरूरत है !

जो

ठीक, मैं जानता हू ! लेकिन मैंने तुमसे पहले भी कहा, और अब भी कहता हूं—यह जगह बिकाऊ नही है ।

लैग

(बैंक के नोटों की बड़ी गड्डी भीतर की जेब से निकालता है और अभिनय के साथ मेज पर पटक देता है ।) देखो ! पूरे एक हजार डालर हैं ! स्टोपा, किस्मत खुल जायगी ! न लो तो पागल हो !

जो

पांच हजार डालर हो, फिर भी नही !

लैग

तुम पागल हो !

जो

हमे तुम्हारा धन नही चाहिए। मैं जहा हू बहुत खुश हू।

लैग

(क्रोध से) जहन्नुम में जाय'''यह भी कोई जिद है ? जैसी एक जगह, तैसी दूसरी। क्या भेद पडता' '

जो

(बात काटकर) मेरे लिए भेद पड़ जाता है।

लैग

तुम्हारे खेतो के लिए हम इतनी चढी हुई कीमत दे रहे हैं। हम यहा बड़े-बड़े काम करेंगे। ट्राली की पटरी निकालेंगे, लोगो को मजदूरी पर लगाएंगे। देश की सपदा बढेगी। इन सब बातो का तुम्हें कुछ खयाल नही होता ?

जो

होता है अवश्य। लेकिन उससे भी अधिक मोह मुझे अपने घर का है (विचार करते हुए और धीमे, मार्मिक ढंग से) जब मैं पहले यहा आया था'''चारो ओर जंगल था। सब कुछ मैंने अपने इन दो हाथो से ठीक किया। घर, खलिहान, चौपाल। पच्चीस वर्ष से हम यहा रह रहे हैं (बाहर वृक्ष की ओर उंगली दिखाता है) वह बड़ा पेड़ देखते हो ?

लैग

क्या मतलब है ?

जो

(उसी विचारधारा में) मैं इसे, जब यह नन्हा-सा था, अपनी जन्म-भूमि से लाया था। जब मेरा बड़ा लड़का पैदा हुआ तब मैंने इसे लगाया था !

ऐना

जो, इसे क्यो भूलते हो कि दूसरा तुमने मेरी के नाम पर लगाया था ?

जो

ठीक है—

लैग

(ऊबकर) यह सब व्यर्थ की भावुकता है। क्या इसीलिए तुम यह जगह नही बेचना चाहते ?

जो

(दृढ़ता से) नही ! केवल यही कारण नही है ? लेकिन यहां की सभी चीजें ! सभी चीजे जो उग रही हैं ! सभी चीजें जिन्हें मैंने अपने हाथो बनाया है ! सभी चीजें जिन्हें मैंने धरती में रोपा है ! इन चीजों को देखकर मेरा मन प्रसन्न होता है। यही सब मुझे यहा खीच रही हैं। यही कारण है कि मैं तुम्हारी कंपनी से लड़ रहा हूं।

लैग

यह सब बातें मै पहले भी सुन चुका हूं।

जो

(कटुता से) जरूर तुम ने सुना है ! और फिर भी सुन लो। और दस हजार बार सुन लो। अब···निकल जाओ यहां से ! जाओ, और अपनी कपनी से कह दो कि मै अंतिम बार कह रहा हू कि—नही।

लैग

तो यही तुम्हारा अतिम उत्तर है ?

जो

(निश्चय से) हा ! बस ! मै आगे बातें नही करना चाहता।

लैग

(मेज पर से नोट और कागज बटोरते हुए)—अच्छा, स्टोपा ! याद रखना तुम अपने सिर पर युद्ध का बुलावा दे रहे हो···

जो

हां, मैं जानता हू। मैं आप लडाई लड चुका हू। अमरीका के लिए मैं युद्ध के मैदान में गया हूं। मुझे डर नही है। अब हाकिम-वाकिम को हमारे यहां न भेजना। नही तो पहले भी मैंने उसे निकाल बाहर किया है, और फिर उसे घर के बाहर उठाकर फेंक दूंगा। मैं डरता नही हूं···

लैग

(तीव्रता से) तुम हाकिम से डरते नही ? इस देश के कानून की तुम्हे परवाह नही, है न ?

ऐना

(जल्दी से)जो, ऐसा न कहो। (लैंग से)डरते क्यों नही?जरूर···

जो

नही, मैं नही डरता। अगर वह फिर यहा आया, तो मैं··· मैं··· (मानो शब्द ढूंढ रहा हो) उसकी नाक पिच्ची कर दूगा···

ऐना

(रुआसी होकर) जो, चुप रहो, व्यर्थ की मुसीबत न बुलाओ। ऐसी वाते करोगे तो शेरिफ फिर नाराज हो जायगा, और हमें सताएगा।

लैंग

यह तुम्हारा पति समझता है कि हम लोग बस सेवा-समिति वालो जैसे हैं।

ऐना

(लैंग से) कृपा करके माफ करो इन्हें। तुम जानते हो कि यह कितने वेकावू हो जाते हैं। मै लड़ाई नही चाहती। कृपा करके, मिस्टर, फिर आना। मै भी इनसे वात कर रक्खूगी और···

लैंग

फिर अव इस वात का अंत हुआ। यह दो वर्ष से हमारे लिए सिरदर्द वने हुए हैं···

जो

और तुमने भी तो हमारा सिर खा डाला है! तुम सिरदर्द नही वने ?

लैंग

(उसके समीप झट आकर) अरे नही। तुम्हारा सिरदर्द अब शुरू होगा, स्टोपा! हम बहुत सीधे बने रहे—अब जान लिया कि इससे काम न चलेगा…(दरवाजे की ओर बढ़ता है)…

जो

तुम क्या करने जा रहे हो?

लैंग

तुम्हारे लिए सौगात भेजूंगा।

जो

(शान्त होकर) मैं तो तुमसे सीधे मे पूछता हूं, तुम क्या करने जा रहे हो?

लैंग

तुम्हें काक्सी की सेना का सेनापति बनाएगे।

जो

(क्रोध को वश में करते हुए) अच्छा, मिस्टर लैंग। जो करना हो करो। सिर्फ अब यहां न आना आगे कभी…

लैंग

कौन कहता है?

जो

मैं कहता हूँ। इस घर में तुम्हारी जरूरत नही है।

लैंग

हम तुम्हारे बुलावे की बाट नही देखते, स्टोपा। जहां जी

चाहता है वहां जाते हैं।

जो

मिस्टर, यहां न आना। तुम्हारी कंपनी ने हमारे लिए कम आफत नहीं कर रक्खी है। शायद तुम्हें मालूम नहीं कि तुम्हारे मिस्टर फिगर मुझे पिटवाने के लिए गुंडे लगा चुके हैं...

लैंग

(आश्चर्य, फिर क्रोध से) तुम्हारा दिमाग फिर गया है।

जो

(उसकी उत्तेजना बढ़ रही है) तुमने मुझे धमकाने के लिए पिछले महीने जेल में डाला था...

लैंग

किसने, मैंने ?

जो

हां, तुमने। तुमने बदमाशों को भेजा, रात में सोते वक्त हमारे घर पर गोलियां चलाने के लिए—जिसमे हम सब डर जायँ...

लैंग

यह सरासर झूठ है !

जो

जरूर, तुम हमें पागलखाने में भेजने की कोशिश में रहे, जिसमें सब समझें कि मेरी अक्ल बहकी हुई है...तुम समझते हो हमें इन सब बातों का पता ही नहीं, है न ?

लैंग

(शान्त होकर, ऐना से) मिसेज स्टोपा, इनके सिर की जांच होनी चाहिए। तुमने इन पर ध्यान न दिया तो इन्हे जंगले वाली कोठरी की हवा खाने की जरूरत पड़ेगी।

ऐना

(धीमे से, मुलायम होकर) मिस्टर, जो कुछ यह कहते हैं ठीक है। यह कभी झूठ नही बोलते।

जो

यह जानता है कि मै सच कह रहा हूं, ऐना, इसे बताने की जरूरत नहीं है। तो अब, मिस्टर लैंग, अपने मिस्टर फ़िंगर के पास वापस जाइए, और कहिए कि मैं कहता हू कि तुम्हारी सारी फूटी कम्पनी भाड़ में जाय।

लैंग

(आवेश को रोककर) अच्छा, स्टोपा। आफत बुला रहे हो। तुम्हारे लिए मुश्किल न कर दें तो···(दरवाजे की तरफ जाता है)

ऐना

(डरी हुई) जो! मानो! फिर से सोच देखो! हो सकता है तुम बड़ी गलती कर रहे हो! जो! सुनो!

जो

(चीखकर) दो साल से सुन रहा हू! और सुनूंगा तो पागल हो जाऊंगा···

ऐना

(आँसू भरकर) मैं लड़ाई नही चाहती, जो, मुझे बड़ा डर लगा रहता है।

जो

लड़ाई होने नही जा रही है। (लैंग से) बात अब खतम हुई।

लैंग

स्टोपा, इतनी तेजी से निशाना न लगाओ। अब जरा ठहरकर देखो कि कैसी लड़ाई तुम्हे लड़नी पड़ती है (बाहर जाता है)।

ऐना

(उसके पीछे भागकर जाती है) अरे मिस्टर ! लौट आओ !

जो

(अपनी पत्नी को रोकते हुए) ऐना ! ऐना ! जाने दो उसे।

ऐना

(एक क्षण दरवाजे पर ठहरकर धीरे से वापस आती है और अपना सिर पति के कधे पर डाल देती है) जो···अब जरूर··· यह उपद्रव करेगा···जरूर···

जो

(स्नेह-पूर्वक पत्नी का माथा चूमते हुए) ऐना, डरो मत, सब ठीक···सब ठीक ही होगा। बडबड़िया है बस; धमकाने चला है कही का !

(परदा)

दूसरा दृश्य

फिंगर का दफ्तर

फिंगर

(फोन में बोलता हुआ) ठीक…भेज दो उसे। (लैंग उदास मुद्रा में प्रवेश करता है) आओ, लैंग। (लैंग सिर झुकाकर अभिवादन करता है) हां, तो क्या फैसला हुआ?

लैंग

पासा पट पड़ा।

फिंगर

(तेजी से) पासा पट से क्या मतलब? दो वर्षों से यह काम तुम्हारे हाथ में है। यह मालूम है?

लैंग

मैं जानता हू।

फिंगर

तो क्या हम लोगों ने कोई खैराती समिति खोल रक्खी है?

लैंग

मुझे खेद है, मिस्टर फिंगर, मैंने भरसक जो हो सका उठा नही रक्खा; लेकिन—

फिंगर

लेकिन-वेकिन तुम अलग रक्खो। हमें तो जमीन की जरूरत है, सफाई नही चाहता।

लैंग

(तीव्रता से) या यीशु! मिस्टर फिंगर! कभी आपने किसी पागल आदमी से तर्क करने की कोशिश की है?

फिंगर

(शांतिपूर्वक) तुम्हारा काम है कि सभी तरह के आदमियों से तर्क करना जानो। तुम इसी के लिए पैसा पाते हो।

लैंग

मैं अपने काम में इससे पहले कभी नही चूका—चूका हूँ?

फिंगर

(धीमे से)—नही···इसी से तो अब हम तुमसे निराश हो रहे हैं। हम ने तुम्हे यह काम इसी लिए सौंपा कि तुम ने कहा था कि जिद्दियों से निपटना तुम्हारे लिए बाएँ हाथ का खेल है···

लैंग

हां, मैं जानता हूँ। लेकिन यह बिल्कुल नए ढंग का जिद्दी है।

फिंगर

तुम्हारे लिए वह सिर दर्द वन गया?

लैंग

आप हमें दोषी नही ठहरा सकते। मुझसे जो हो सकता था मैंने किया। मैंने अनुरोध किया, धमकी दी, सब्ज-बाग दिखाया —परन्तु यह हरामी स्टोपा कुछ सुनता ही नही···

फिगर

उसे जबर्दस्ती सुनाना था।

लैंग

मैं आपसे कह रहा हूं कि इस आदमी का दिमाग फिरा हुआ है। सोचिए, कोई आदमी एक पेड़ के लिए इतना सनक जाय— सोचिए तो, एक पेड़ के लिए !—और उसके सामने हजार की रकम पडी रहे।

फिगर

(क्रोध के आवेश में उठ खड़ा होता है) एक स्टोपा···चाहे पाच सौ स्टोपा हो। (मेज पर हाथ पटकता है) हमें उन्हे मिटा देना है ! अगर एक तरह से हम सफल नही होते हैं, तो दूसरा उपाय करना ही होगा—

लैंग

यही तो मैंने उससे कहा। लेकिन क्या करें ?

फिगर

(मुंह चटकारता हुआ) क्या करें ? बस, एक सीधे सवाल का सीधा जवाब है। डार्विन को पढ़ा है ?

लैंग

जब हाई स्कूल मे था।

फिगर

याद है कि उसने 'योग्यतम की विजय' पर बहुत कुछ लिखा है। (लैंग सिर झुकाकर हामी भरता है) हम केवल उसके सिद्धान्तों को व्यापार के क्षेत्र में घटा रहे हैं। यदि यह बंदरो पर घटित होता है, तो लैंग, इसे हम पर भी ठीक उतरना चाहिए।

लैंग

क्यों नही ?

फिगर

सीधी-सी बात यह है कि तुम्हे इस दुनिया में अपनी फिक्र करनी चाहिए—

लैंग

मिस्टर फिगर, ठीक इतनी ही बात नही है। मेरे—

फिगर

(बात काटकर) एक बीवी है, दो बच्चे हैं, जिनकी चिंता करनी है। हा, मै जानता हूं। हम उनके बारे में सोच चुके हैं नही तो हमने कब का तुम्हे निकाल बाहर किया होता।

लैंग

(आहत होकर) इस कंपनी में मेरे पंद्रह वर्ष काम करने के बाद आपका यह खयाल है ?

फिगर

इन बातो का कुछ असर नही होता। व्यापार व्यापार है। यदि कोई आदमी अपना धंधा ठीक नही कर पाता तो हमे उसके

स्थान पर दूसरा आदमी रखना पडेगा, जो उस धंधे को ठिकाने लगा सके। मगर इतनी ही बात नही है। उस छोटे-से व्यक्ति की अपेक्षा तुम्हे एक वडी सुविधा यह है कि तुम्हारे पीछे एक बड़ा संगठन है। और जब बात निपट लेने की हो तो बड़ा संगठन परास्त होना स्वीकार नही कर सकता। मेरा संकेत समझे?

लैग

ठीक…

फिगर

(उपदेशक के भाव में) चार्ली ऐवट ने कहा है कि जिस व्यापार मे लाभ नही, उसके व्यापार होने मे उतना ही सदेह है जितना कि अचार के मिश्री होने में! लैग, यह सहज-सी बात है। हमें अपनी सहज बुद्धि का उपयोग करना पड़ेगा।

लैग

लेकिन पागल आदमी से नही!

फिगर

(उत्तेजित होकर) पागल लोगो के लिए अलग संस्थाए हैं। नही हैं? अगर वे स्वतंत्र लोगो की भाति घूमते-फिरते हैं तो वे खतरनाक होते हैं। फिर उचित क्या है? खतरनाक लोगो को मिटा देना चाहिए। समझे?

लैग

अवश्य, लेकिन—

फिगर

(विना रुके हुए कहता जाता है) यह देश एक बड़ा देश है, क्योकि बड़े आदमी छोटी बातो को अपने कार्य में बाधक नही होने देते। यदि मार्गन या राकफेलर या डुपां जैसे लोग हर एक खप्ती और जिद्दी मूर्ख की बातें सुनते तो क्या आज दिन बड़े आदमी हुए होते ? मै तुम से पूछता हूं, होते ?

लैंग

मैं समझता हूं न होते…

फिगर

(अपनी अंगुलियों को तोड़ता हुआ) एक गधे की दृष्टि में होते, वह हमारे सेवक होते, बस। परतु वह क्यों बड़े आदमी हैं ?

लैंग

इसलिए कि…

फिगर

(टोक की परवाह न करते हुए) मै तुम से वताता हूं क्यों, इस लिए कि उनमें संगठन की मानसिक क्षमता है। अगर उनके मन में धन कमाने का विचार पैठा तो बस उसे लेकर वढ़े। और अगर कोई उनके काम मे रोड़े डालता है तो उसे वे लोग मिटाकर छोड़ते हैं। और यही हमें भी करना चाहिए। लैंग ! हमारा संगठन पांच करोड़ डालर का संगठन है, और हम इस बात को वर्दाश्त नही कर सकते कि कोई जिद्दी टुकड़गदा हमे बताए कि यह करो, यह न करो।

लैंग

फिगर, या तो काम सिद्ध करना या मर ही जाना चाहिए।

फिगर

बिल्कुल ठीक, मेरे मन की बात कही। लेकिन यहाँ मरने की कोई जरूरत नही। मैं चाहता हू कि काम होना चाहिए! हम लोगों ने वास्तव में बहुत समय खो दिया। अब तो यह होना चाहिए—(वह अपनी मुट्ठी बांधकर हाथ आगे झिटकता है)

लैंग

(गुनगुनाते हुए) तो फिर हम यहा से कहां जाय?

फिगर

मैदान में, जहां गोलियां छूटती हैं।

लैंग

(उछलकर) ठीक मैदान में बालचरो की भाँति!

फिगर

बालचरो की जरूरत नही, लैंग! मैं चाहता हू कि सिपाहियो की भाति! बंदूक, किरच, गोली-बारूद के साथ···

लैंग

आप सेना का मुझे सबसे वीर सिपाही पाएंगे।

फिगर

(मुस्कराते हुए) ऐसो की ही ज़रूरत है। पहले तुम शेरिफ से मिलो। उस काहिल को काम पर तैनात करो। अबतक वह और उसके सहकारी हमारी चेकों को भुना-भुनाकर मौज करते रहे हैं।

लैंग

किस ढंग से कारंवाई होनी चाहिए ?

फिगर

यह सोच निकालना तुम्हारा काम है।

लैंग

(सिर खुजलाते हुए) यह काम देने लगा। (एक क्षण चुप रह-कर, कमरे में टहलता है फिर एकाएक रुक जाता है) यह बताइए, क्या शेरिफ अगले महीने में ऐल्डरमैन बनने के प्रयत्न में तो नहीं है ?

फिगर

हम लोग इसके बारे में विचार कर रहे थे। क्यों ?

लैंग

(उंगली तोड़ते हुए) कैसा अच्छा अवसर है !

फिगर

बात क्या है ?

लैंग

(उत्तेजित होकर) बस अब इतने प्रश्न एक साथ न पूछ डालिए। यह एक भेद की बात है। बंदा अब काम पर जुटता है।

फिगर

क्या काम ?

लैंग

(तेजी से) क्या काम ? परसो अखबार मे पढ़िएगा, तभी आपको पूरी कथा मालूम होगी (बाहर भागकर जाता है)।

(परदा)

तीसरा दृश्य

शेरिफ का दफ्तर

प्रकाश पड़ता है : फ्रेड वेल्स एक डरपोक सहकारी, कुर्सी पर पैर डाले हुए बैठा है और पिछले रविवार का रंगीन हास्य-रस का पत्र पढ़ रहा है। शेरिफ डफी अपनी मेज पर है और एक रजिस्टर में कुछ लिख रहा है।

वेल्स

(दबी हंसी हंसते हुए) जेस, तुम जानते हो आजकल रविवार के हास्यरस के पत्र कितने मनोरंजक होते हैं ?

डफी

(कुछ रुखाई से, सिर बिना उठाये हुए) क्या मनोरजक होते हैं, जी ?

वेल्स

अब तो वह बडे लोगो के पढने के लिए होने लगे हैं। मुझे

याद है, पहले उन्हे केवल बच्चे पढ़ा करते थे।

डफी

ब भी वह बच्चो की चीजें ही हैं।

वेल्स

नही जेस, ऐसी बात नही। इन हास्यरस के पत्रो में बड़ी सूचनाएं और शिक्षा की बातें भरी होती हैं। भेद केवल इतना है कि इन्हे वह शब्दो मे न कहकर तस्वीरो द्वारा कहते हैं।

डफी

(हंसते हुए) क्या इसीलिये तुमने कालिज की शिक्षा नही प्राप्त की ?

वेल्स

तुम हंसना चाहते हो तो हंस लो। लेकिन मैंने एक बार पत्रों में पढ़ा था कि प्रेसीडेंट कूलिज ने इन रविवार के हास्यरस के पत्रो के विषय में कहा था कि वह वास्तविक जीवन के चित्र होते हैं। और तुम्हे मानना पड़ेगा कि प्रेसीडेंट कूलिज अहमक नही थे.........

डफी

मैं कुछ नही मानता।

वेल्स

तुम्हे इतनी जिद क्यों है ! मैंने यह बात अपनी दोनो आंखो से पढ़ी है।

डफी

मै जिद्दी नही हूं । लेकिन, मेरी अपनी राय भी हो सकती है ।

वेल्स

अवश्य, लेकिन—

डफी

मैं हमेशा कहता हूं कि यदि आदमी बडा होना चाहता है तो उसे अपने को शिक्षा देनी चाहिये । उसे गंभीर अध्ययन करना चाहिए जैसे······जैसे (शब्द ढूंढ़ रहा है) सपादकीय लेख······ और इस प्रकार की चीजें । मै इन्हे पढ़ता हूं । इसी से तो मैं अपने स्वतन्त्र विचार रख सकता हूं ।

वेल्स

प्रेसीडेंट कूलिज भी अपने स्वतन्त्र विचार रखते थे······

डफी

(बात काटते हुए) ठीक । इसी से तो वह इतने बडे आदमी हुए ।

वेल्स

(विजय अनुभव करते हुए) और वह भी हास्यरस के पत्रो को पढा करते थे ।

डफी

(खीझकर) अच्छा, तो तुम प्रेसीडेंट कूलिज नही हो ।

वेल्स

(झेंपा हुआ) मैं जानता हूं, जेस । वह मर चुके हैं !

डफो

(ऊंचे स्वर में) मर गए हो, चाहे जिन्दा हो ! तुम प्रेसीडेंट कूलिज नही हो ! (मुलायम पड़ते हुए) जो कुछ मैं कहता हूं वह यह है कि यदि तुम ऊचे हाकिम वनना चाहते हो तो तुम्हे अपने को शिक्षित वनाना होगा। अज्ञान के वल पर तुम कुछ नही कर सकते। अब्राहम लिंकन को देखो……

वेल्स

लेकिन, जेस, मै कोई हाकिम नहीं हूं। मै तो केवल एक-दूसरे दर्जे का सहकारी हूँ ।

डफी

कौन कहता है जी कि तुम हाकिम नही हो ? जैसे मै और अन्य मुझ जैसे लोग हाकिम हैं, वैसे ही तुम भी हो—

वेल्स

चाहे मेरा काम तुम्हारी और वर्न्स की डाक ढोना ही क्यो न हो ?

डफी

इससे कोई फरक नहीं पड़ता। अगर तुम्हारे पास एक विल्ला है, और वन्दूक है, तो तुम सरकारी आदमी हो ; अगर केवल वंदूक है तो सरकार के दुश्मन हो। मै तो यह जानता हूं।

वेल्स

तो मैं हुआ…(फोन की घटी वजती है) ।

डफी

सुनो, कौन है।

वेल्स

(फोन उठाकर) शेरिफ के दफ्तर से बोल रहा हू।...हां, वह मौजूद हैं। एक मिनट ठहरो। जेस, तुम्हे कोई बुला रहा है। (लौटकर अपना हास्यरस का पत्र पढ़ने लगता है)

डफी

(फोन उठाकर) मैं हू शेरिफ डफी। कौन ? क्या है, जी ? (फोन का मुंह हाथ से ढंककर, वेल्स की तरफ फिरकर) जानते हो कौन है ? वही चीलर यहूदी है, अपने फूलो के बारे मे फिर बक रहा है। (उसके नाम पर वेल्स उठ खड़ा होता है, और बातों की तरफ ध्यान देता है। डफी फोन में मुंह लगाता है।) तो क्या हुआ ? भाड मे जाय वह। अगर हमारे आदमी रुलाने वाली गैस के बम फेंकने का अभ्यास करते हैं, तो उन्हे रोका नही जा सकता। क्या कहा ? देखो, सुनो बीस, मुझे इसकी दमडी भर परवाह नही कि तुम अमरीकन नागरिक हो। यदि बमो की बू से तुम्हारे बच्चे बीमार पडते हैं तो वह जगह छोड़-कर दूसरी जगह बसो। शहर गुडो से भरा हुआ है। उन्हे देखू कि तुम्हारी पैन्जियो को। (आवेश के साथ फोन रख देता है) मैं इसे सबक देना चाहता हूं। जाओ तो इस उल्लू के घर पर और इसकी यह घासें उखाडकर फेक दो। ज्यादा शोर मचाएगा तो हम कह देंगे कि बच्चो ने उखाड़ा होगा।

वेल्स

(संकोच-पूर्वक) हां, देखो, जेस······मैं सोच रहा था···

डफी

(उसकी ओर तेजी से मुड़कर) तुम क्या ?

वेल्स

(डरता हुआ) मैं सोच रहा था······शायद यह बात ठीक न हो कि मैं जाकर उसके फूलों को नष्ट कर डालूं। जेस, यह··· कानून के विरुद्ध बात होगी।

डफी

इस कस्बे में कानून मैं हूं।

वेल्स

(शीघ्रता से)—मै यह कब कहता हूं कि तुम नही हो, जेस ? मुझे केवल उस बेचारे पर दया आती है। जब से उसकी बीवी मरी है, तब से वह इन फूलो की बच्चों की भांति देख-रेख कर रहा है···

डफी

(व्यंगपूर्वक) तो मैं फूट-फूट कर रोऊं न !

वेल्स

(विश्वास दिलाने का प्रयत्न करते हुए) वह बहुत ही भला आदमी है···यह बीस। देखो, जेस, तुम उसे बुलाकर डांट क्यों नही देते ?···जानते हो, बड़ा दुखी है। इसके बाद वह तुम्हें तंग न करेगा।

डफी

(तीव्रता से) तुम्हारी सलाह की मुझे जरूरत होगी तो मैं कहूंगा। (उसकी गर्दन पर हाथ देता है) अभी जाओ। मै हुक्म दे रहा हूं। फौरन चलो ! (उसे ढकेलता है)

वेल्स

(कोट का कालर सम्हालता हुआ) अच्छा, जेम्स, जा रहा हू। तुम अफसर हो, जो कहोगे करूंगा।

डफी

नालायक, हूं तो !

वेल्स

लेकिन तुम जानते हो कि मुझे कैसा लग रहा है ?

डफी

तुम कह रहे हो या सवाल पूछ रहे हो ?

वेल्स

(नम्रता से) कह रहा हू।

डफी

भूल जाओ।

वेल्स

(दरवाजे पर रुकता हुआ) जो भी हो, मैं इसे पसद नही करता। यह बात मेरी भली प्रकृति के विरुद्ध पड़ती है, सच तो यह है।

डफी

(कड़ाई से) सुनो जी ! जब तक तुम हमारे यहां काम करते

हो, तब तक अपनी भली प्रकृति घर पर छोड़ आया करो। मैंने अपने यहा रविवार का स्कूल नही खोल रक्खा है। अब फौरन चल दो। (वेल्स बाहर जाता है। डफी दरवाजे की तरफ थूकता है।) मेंने भी कैसा गधा सहकारी चुन रक्खा है!

[वह बगल के दरवाजे से जाता है और कुछ सेकेंड बाद अपनी गर्दन तौलिए से पोंछता हुआ बाहर आता है। लैंग धीमे से चोर की भांति प्रवेश करता है और क्षण भर डफी को देखता रहता है। वह इस स्थान से बिल्कुल परिचित और अपने से संतुष्ट जान पड़ता है। वह मुस्कराता है और कमरे में डफी के और निकट आता है।]

लैग

हेलो शेरिफ! अकेले हो? (हाथ बढ़ाता है)

डफी

(तेजी से घूमता है, क्षण भर के लिए स्तंभित होता है, फिर अत्यंत मीठे स्वर में बोलता है) अच्छा, हेलो मिस्टर लैग! कैसे भूल पडे?

लैग

तुम अनुमान कर सकते हो। (डफी किंचित् विचलित होकर हंसता है) कहां गया वह आदमी जो फोन पर रहता है?

डफी

वेल्स?

लैंग

हां, उसी को पूछता हूं ।

डफी

एक काम से गया है (आंखें मारता हुआ) तुम जानते हो, सरकारी नौकरी ठहरी ।

लैंग

अच्छा हुआ । मैं तुम से एकांत में और चुपके-से मिलना भी चाहता था ।

डफी

यह ठीक जगह है, वस ! अपने को कब्रगाह जैसे सुनसान मे समझो । क्या मामला है ?

लैंग

(बैठता हुआ) बात यह है, शेरिफ, मुझे बराबर घूमते-फिरते रहना पड़ता है ।

डफी

(हंसकर) तुम कंपनी वालो की चैन है । वस घूमते-फिरते रहो और दुनिया देखते रहो……

लैंग

हां, जहाजवालो की तरह । लेकिन, इस वक्त मैं खास कर तुम से मिलने आया हूं ।

डफी

(विचलित भाव से) बहुत अच्छा है ।

लैंग

(सिगरेट बढ़ाते हुए) पियोगे ?

डफी

क्या मुजायका ? धन्यवाद। (सिगरेट जलाता है)

लैंग

(बहुत धीमे और निश्चयात्मक ढंग से, सिगरेट का कश रोते हुए) कल फिगर और और साथियो से बात चल पड़ी। उन्होंने कहा तुम्हे ऐल्डरमैन बनाने में जरा पशोपेश है…

डफी

(शांत होने का प्रयत्न करता हुआ) क्या वह यह सन्देह कर रहे हैं कि मैं उनका साथ न दूंगा ? हैं ?

लैंग

(तेजी से) नही जी ! वह खूब जानते है कि तुम भले आदमी हो।

डफी

तब आपत्ति क्या है ?

लैंग

मै तुम से साफ-साफ बताऊं, शेरिफ ! उन्हें ऐसा ख्याल है कि ऐल्डरमैन का काम तुम्हारे बूते का नही…

डफी

(आवेश में) तुम्हारा मतलब क्या है जी ?

लैंग

(कन्धों को उचकाते हुए) जो उन्होंने कहा, मैं तो वही कह रहा हूं।

डफी

(तनकर) अच्छा मिस्टर लैंग, तुम्हीं बताओ, उन्हें डर किस बात का है?

लैंग

'डर' ठीक शब्द नही है, शेरिफ! उन्हें तुम पर शर्म आती है। अपने महत्वपूर्ण पद की तुम प्रतिष्ठा नही बढा रहे हो। लज्जा इस बात की है···

डफी

(विशेष आवेश में) उसे जाने दो। यह बताओ मैंने कौन-सा ऐसा काम किया?

लैंग

सवाल दूसरा ही है—वह यह कि तुम से क्या नही बन पड़ा।

डफी

वह हमारा कारनामा देख सकते हैं।

लैंग

देखा है, तभी तो। उनका कहना है कि ऐसे बेकार आदमी को वह हरगिज ऐल्डरमैन नही चुन सकते!

डफी

(खड़ा हो जाता है) क्यों?······बदमाश हैं सब के सब!

लैंग

(शांत भाव से) शेरिफ, उन पर व्यर्थ बिगड़ते हो। वे केवल लोकमत के सामने घुटना टेक रहे हैं।

डफी

लोकमत, खाक ! वह मेरी तरक्की रोकने में लगे हैं !

लैंग

(आश्चर्य दिखलाते हुए) मुझसे क्यों उड़ रहे हो ?

डफी

उड़ूं किस बात पर ?

लैंग

(उसी भांति) शेरिफ, जरा ठहरो। साफ-साफ कहो। क्या तुम मुझसे यह कहना चाहते हो कि तुम यहां बैठे हो और तुम्हे इस बात का पता नही कि बाहर क्या हो रहा है ?

डफी

मुझे अपने धंधे से मतलब है—यदि यही तुम कहना चाहते हो।

लैंग

अब मैं समझ रहा हूं कि क्या बात है। बाहर जो बातें हो रही है अगर तुम उन्हे सुनते, तो तुम्हे पता चलता कि शहर के सब लोग तुम्हारे ऊपर हंस रहे हैं। जिस तरह तुम स्टोपा के मामले को ढील दे रहे हो...

डफी

हे यीशु ! उस पाजी का नाम मैंने फिर सुना तो पागल हो जाऊंगा।

लैंग

अच्छी बात है, शेरिफ, लेकिन मैं बता दूं कि तुम्हारे चुनाव मे यदि कोई बाधा डाल रहा है तो यह वही आदमी है।

डफी

(तिरस्कार-पूर्वक) कौन ? वह पिद्दी ?

लैंग

हाँ, वह पिद्दी।

डफी

तुम्हारी बात पर हंसी आती है।

लैंग

हसी तुम्हारी उड़ रही है। वह घूम-घूमकर सब से कह रहा है कि तुम बुजदिल हो, और…

डफी

(उछलता हुआ) क्या कहा ?

लैंग

(स्थिरता-पूर्वक) बुजदिल हो। और अगर तुम फिर उसके यहाँ दिखाई पड़े तो कान पकड़कर वह तुम्हे निकाल देगा।

डफी

उसकी ऐसी हिम्मत ?

लैंग

मैंने अपने कानों से सुना है।

डफी

गंदा कुत्ता कही का ! मैंने कब का उसको कुचल कर रख दिया होता ! केवल कंसालिडेटेड कंपनी का खयाल था कि लोग कहेगे कपनी ने मुझे घूस देकर उस पर···

लैंग

इन सड़ी बातों मे क्या धरा है, शेरिफ ? अब तुम्हें उठना चाहिए, और अपने नाम की कालिख को धोना चाहिए। तुम्हारे जैसे बदनाम आदमी को कोई ऐल्डरमैन चुन नही सकता !

डफी

(कुछ ठहरकर) कब उनकी मीटिंग हो रही है ?

लैंग

आज रात मे।

डफी

(पतलून कसता हुआ) तुम उनसे कह देना कि मैं इस सुअर को देख लूंगा—ऐसा, कि वह भी याद करे। उन्हें उसकी कुछ चिंता करने की आवश्यकता नही। मैं उसकी ऐसी खबर लूंगा कि उसका मुंह ही बन्द हो जाय।

लैंग

उन लोगों को ठीक करने का मेरा जिम्मा—लेकिन तुम अपना काम न भूल जाना।

डफी

(चिढ़कर) मैं नही भूल सकता।

लैंग

(उत्तेजित होकर) नही, तुम नही भूल सकते। लेकिन स्टोपा के लिए तुम्हारे पास दो वर्ष से इजलास का वारंट रक्खा हुआ है। तुमने उसके लिए क्या किया ? तुम भी सब की तरह दुम दबाए हुए हो। और मैं बताऊँ, क्यों ? सच बात यह है कि तुम बड़ी भलमंसी दिखाते रहे हो। शेरिफ, ऐसे आदमियो से भले बनकर काम नही चला करता। वह तुम्हारी भलाई का लाभ उठाते हैं।

डफी

अब मैं भलाई से बाज आया। मै बताऊंगा बच्चा को कि घूम-घूमकर मेरी बदनामी करने का क्या नतीजा होता है। (वह अपने पिस्तौल को चमड़े के खाने से निकालता है और हवा में साधता है) जब मैं उसके सिर को इससे चूर करूगा तब उसे मुझपर हसने का मजा मिलेगा !

लैंग

(अशांत होकर) भाड में जाय उसका सिर ! हम तो उस की जमीन चाहते हैं।

डफी

(तेजी से) तुम्हे मिलेगी वह !

लैग

(उठकर) कब ? दो वर्ष से तो हम इस इंतजार में हैं ।

डफी

कल वह तुम्हारे हाथ में आई समझो ।

लैग

(घबराहट और उत्सुकता से विचलित) क्या इसे मैं वादा समझूं ?

डफी

इसे निश्चय समझो । मैं अपने चुनाव को नही खोना चाहता । उस···

लैग

(जल्दी से परंतु स्थिरता से) चुनाव की चिन्ता न करो। (धीमे से) तुम स्टोपा को निकालो—और हम लोग तुम्हे चुन लेंगे ।

डफी

(हंसता हुआ हाथ बढ़ाता है) कह देना यारो से, काम पक्का समझें ।

(परदा)

उसी दिन संध्या समय

वही दृश्य

डफी पीछे के कमरे स प्रवेश करता है। वह अपना हाथ एक तौलिये से पोंछ रहा है। मर्फी कमरे में अचानक आता है; वह कोट हाथ में लिये हुए है; जल्दी से डफी से 'हेलो' कहता हुआ पीछे के कमरे में चला जाता है। डफी क्षण भर के लिये चौंकता है फिर उसके पीछे घूरने लगता है। बर्न्स लड़खड़ाता हुआ आता है।

बर्न्स

अरे जेस !

डफी

(मर्फी की दिशा में सिर हिलाते हुए) क्या ? आखिर इसे हुआ क्या है ?

वर्न्स

अरे वह ठीक हो जायगा ।

डफी

(क्षण भर रुककर मानो परिस्थिति समझने का प्रयत्न कर रहा हो) मेज पर से लेकर पहले एक प्याला ढालो ।

बर्न्स

धन्यवाद ।

[एक प्याला भरता है और उसे गले के नीचे उतार जाता है। इस बीच में वेल्स दरवाजे में दिखाई देता है। वह बीमार-सा लग रहा है। धीरे-धीरे वह कमरे में आकर कुरसी पर गिर पड़ता है।]

वेल्स

(क्षीण स्वर से) हेलो, जेस (डफी उसकी ओर घूरता है। उसके बाद वर्न्स की ओर घूरता है) मिला वह ?

बर्न्स

(कुरसी पर पैर फैलाते हुए) हूँ। ठीक जब वह अपनी प्रेमिका के घर से निकल रहा था ।

डफी

किसी ने तुम्हे उस पर हमला करते तो नही देखा ?

वर्न्स

चिंता न करो; किसी ने हम लोगों को नही देखा। उसे हम लोग एकान्त में ले गये और फिर उस पर जुट पड़े। वह चीलर-दिमाग ऐसा चीखा कि बस (ठहाका लगाता है) लेकिन

एक मील के भीतर उसकी आवाज किसीने सुनी न होगी।

डफी

(मुंह चटकारता हुआ) मजा आ गया होगा ?

वर्न्स

अवश्य'''तुम कही उसकी चीख सुनते !

डफी

क्या तुमने उसकी खोपड़ी पर सामने से वार किया ?

वर्न्स

हां, ठीक जैसा तुमने बताया था। उसके वाद मैं उनके वाप के यहां पहुचा; और मैंने कहा कि तुम्हारे वेटे की खवर ले ली गई है—ऐसी, जो कि पहले ही ले ली जानी चाहिए थी।

डफी

(चिंतित स्वर में) उसने तुम्हारी आवाज तो नही पहचानी ?

वर्न्स

(हंसते हुए) अजी नही ? मैंने ऐसी आवाज वनाई कि विदेशी जान पड़ू। तुम जानते हो मुझे वहुत ठीक अंग्रेजी वोलनी आती भी नही। वह नही समझ पाया कि मैं कौन हू।

डफी

(घूमकर सवकी ओर देखते हुए) शावास, यारो वड़ा ठीक काम किया ! मैं शर्त के साथ कहता हू कि वह वुड्ढा खूसट अव समझेगा कि हम भी किसी वात पर तुले हुए हैं ! मुझे डरपोक कहने का मजा चखा दूंगा।

बर्न्स

जो बात आज की, वह हमें दो साल पहले ही कर डालना था।

डफी

(अधीरता से) अच्छा, अच्छा, अब तो हो गई। कल इस काड को खतम ही कर देना होगा।

बर्न्स

कल गुडफ्राइडे है।

डफी

इससे क्या होता है ? कानून तो चलता ही रहता है।

[मर्फी अपने कोट को गीले रूमाल से तेजी से रगड़ता हुआ प्रवेश करता है, वह ठीक बर्न्स के पास आकर खड़ा होता है।]

मर्फी

(क्रोध से) एक गैलन गरम पानी मै इस पर डाल चुका। लेकिन इसकी बदबू दूर नही होती।

बर्न्स

मै भला क्या जानता था कि वह कै कर देगा ? कोई उसके दिमाग के भीतर तो बैठा नही था।

मर्फी

(तीव्रता से) तुम्हे जानना चाहिए था कि किसी गधे के पेट मे उसके खाना खाने के बाद ठोकर लगाने का क्या परिणाम होता है। मेरे बदन में बू भिनी जा रही है।

वेल्स

मर्फी, उसपर थोड़ा-सा सेंट डाल लो। इससे बू मारी जायगी···

वर्न्स

(घूमकर उंगली से दिखाते हुए) अच्छा, यह देखो कौन बातें कर रहा है। सो चुके तुम ?

डफी

क्या हुआ इसका ?

वर्न्स

यह करीव-करीव गश खाकर हम लोगों पर गिरा था।

वेल्स

मैं···

वर्न्स

(उसे अलग करता हुआ) मुझे कहने दो, वेल्सी। तुम कहोगे तो बीच में फूटकर रोने लगोगे। जेस, उधर हम अपने मेहमान से जरा निपट रहे थे, इधर हमारे इस साथी को मारे भय के मिरगी आने लगी···

मर्फी

अजी, यह बराबर एक पेड़ के पीछे छिपा जा रहा था।

वेल्स

(तीखेपन से) इन लोगों को उस बेचारे के पेट में ठोकरें लगाते देखकर मेरा जी गिनगिना उठा। मैं उसे बिल्कुल सहन न कर सका···

वर्न्स

(व्यंग-पूर्वक) देखो है न यह बुरी बात ? मालूम पड़ता है अब हम से तुम आगे बोलना बंद कर दोगे, जानी।

मर्फी

सुनो, जेस ! अगर आगे तुम हमें किसी काम पर लगाते हो, तो इस बुद्धू को अपने पास रखना । इसे देखकर मेरा जी घबरा जाता है ।

वेल्स

इन की वात न सुनो, जेस, हमने अपना काम किया…

वर्न्स

जरूर । इसने उस लौंडे को अपना रूमाल आंसू पोछने के लिए दिया ।

मर्फी

यह सहकारी वना है कही का ! इसे तो दूध पिलाने वाली गाय होना चाहिए था ।

डफ़ी

अच्छा यारो, खतम भी करो । वात कुछ भी नही है, वेचारा भले स्वभाव का है । उससे कोई खतरा नही है । कि है, फ्रेड ?

वेल्स

जेस, तुम मुझे अच्छी तरह जानते हो । मुझ से बहुत गुडई नही होती । जव मैं वच्चा था तभी से…

डफी

(हाथ से उसका मुंह रोकते हुए) खैर जाने दो, यारो । अगली वार इतना वोदापन न करेगा । (मर्फी और वर्न्स एक दूसरे से आखों से इशारा करते हैं) फ्रेड, जव फिर इन लोगो के

साथ जाने का मौका हो तो एक-आध बोतल ठर्रा चढ़ा लिया करो, बस फिर तुम ठीक रहोगे !

मर्फी

जरूर । बोतल देना—और उसमे दूध पीने वाला रबड़ भी लगा देना । (बर्न्स और मर्फी ठहाका मारकर हसते हैं)

डफी

अच्छा, यारो, बस भी करो ! (वे लोग फ़ौरन चुप हो जाते हैं) हमें और भी जरूरी काम करने हैं । सुनो, मित्रो । यह स्टोपा वाला काम हमे ठीक-ठीक निबटाना ही होगा । मैंने मिस्टर लैंग को जबान दे दिया है कि कल तक इसे हम पूरा कर देंगे अब उनके सामने हमें झूठा न बनना पड़े । समझे यारो ?

वेल्स, मर्फी, बर्न्स

अजी नही, जेस ।

डफी

सभी कह रहे हैं कि हमने इस पाजी को बडी तरह दी । अगर हम उसे जताते नही कि हाकिम क्या होता है तो बस सरकार उसी के हाथो की बन गई ।

बर्न्स

(थूकते हुए) बस कल तक और उसकी सरकारी चल ले ।

डफी

देखो, काम करने का ठीक ढग मैं बताता हू । मैं चाहता हू कि कल तीसरे पहर तुम लोग यहां आ जाओ, पांच बजे बर्न्स यहीं पर···

(बातों के बीच धीरे-धीरे पर्दा गिरता है)

चौथा दृश्य

स्टोपा की बैठक

ऐना सोफे पर लेटी हुई है। मेरी मेज पर एक पुस्तक पढ़ रही है। उसके पास ठंडे पानी की एक चिलमची रक्खी हुई है। उसी के पास एक गीला तौलिया भी रक्खा है। जरा-जरा-सी देर में वह पढ़ना बंद कर के लेटी हुई मा की तरफ देखती है। कुछ मिनटों बाद ऐना हल्की-सी करवट लेती है और आंखें खोलती है। मेरी उठकर तौलिया लेकर उसके पास जाती है, और वहीं बैठ जाती है।

मेरी

अब कुछ तवियत अच्छी है, मा? (वह तौलिया मा के सिर पर रखती है)

ऐना

(आंखें ऊपर करके और मेरी के हाथ को सहलाते हुए) हां, मेरी, हा । (कुछ ठहरकर) क्या वजा होगा ?

मेरी

सवा पाच वजे हैं।

ऐना

इतनी देर हो गई ?

मेरी

तुम सारा दिन सोती रही हो ।

ऐना

(फिर कुछ रुककर) मेरे सिर में वडा दर्द हो रहा है ।

मेरी

हा, मा, मै जानती हूं तुम चूल्हे के पास गिर पड़ी थी । जव मैं दौडकर आई तो तुम जमीन पर गिरी हुई थी······और तुम्हारे सिर से खून वह रहा था···

ऐना

(हँसने का प्रयत्न करते हुए) देखो तो, मुझे यह भी ध्यान नही आ रहा है ।

मेरी

(झुककर मा का चुम्वन करती है) मा, तुम्हे कैसे ध्यान आ सकता है ? तुम तो वेहोश हो गई थी ।

ऐना

(आश्चर्य भरे स्वर से) तो क्या मैं मूर्छित हो गई थी ?

मेरी

हां......लेकिन उसका ध्यान न करो मा। समझी। थोड़ी देर और सो रहो।

ऐना

(ठहरकर) क्या डाक्टर आया था ?

मेरी

अभी तो गया है। कहता था कि अलेक एक महीने मे ठीक हो जाएगा। उसे बस बिस्तर पर पड़ा रहना चाहिए।

ऐना

(मानो अपने से बातें कर रही हो) जब पापा उसे लाए—उसके खून निकल रहा था—मानो उस पर गाडी चल गई हो...

मेरी

देखो, मा...

ऐना

(उसी भांति) मैंने इतना खून कभी नही देखा। कभी नही...सारे जीवन में नही।

मेरी

मा ! क्या करती हो ? तुम फिर बीमार हो जाओगी।

ऐना

(चौंककर) पापा ! कहां हैं पापा ? मेरी, पापा कहा है ?

मेरी

मां, लेटी रहो । पापा अच्छे है । ऊपर अलेक के पास हैं ।

ऐना

(अविश्वास प्रदर्शित करती हुई) वह तो वाहर गए थे ।

मेरी

मेरी बात का विश्वास नही, तुम्हे ? ठहरो, मैं जाकर उन्हे वुला लाती हूं । (वह जाती है । एक क्षण वाद वह जो को लेकर आती है) । देखो, पापा यहां हैं । विल्कुल अच्छे हैं ।

[जो निकट आकर ऐना का चुंवन करता है ।]

ऐना

(लेटे-लेटे) मुझे वड़ा डर लगता है, जो । मैंने खयाल किया तुम वाहर न गए हो ।

जो

नही, ऐना, मै कही नही गया था । मै तो वरावर अलेक के पास रहा ।

ऐना

वह तव से अच्छा है न ?

जो

इसी मिनट उसकी आखें लगी हैं ।

ऐना

तुम अपना कोट क्यो पहने हुए हो, जो ? कही जाने वाले हो ?

जो

मैंने सोचा जरा सड़क तक जाकर देख आऊं कि ग्रूवर आ रहा है कि नही···

ऐना

ग्रूवर ? यहां ?

जो

हां, मैंने एक घंटा हुआ, उसे कहा था यहां आने को···

मेरी

तुम सो रही थी, माँ। पापा ने तुम्हें जगाना नही चाहा।

ऐना

ओह···

जो

मैंने उसे अलेक की घटना बताई थी।

ऐना

क्या कहा उसने ?

जो

उसने कहा कि मै अभी आता हूं।

ऐना

तुमने ग्रूवर को बुला लिया, अच्छा किया, जो। वह तुम्हें

ठीक-ठीक वतावेगा कि शेरिफ फिर आए तो उससे क्या कहना चाहिए।

जो

हा, मैं शेरिफ को वहुत नाराज नही करना चाहता।

ऐना

लेकिन वाहर न जाना, जो। तुम्हारे जाने के खयाल से मुझे वड़ा डर लगता है···

जो

कोई डर नही है। मैं सिर्फ पांच मिनट के लिए जाऊँगा।

ऐना

नही जो, मानो। तुम यहां न रहोगे तो मुझे वड़ी चिंता वनी रहेगी। कौन जाने शेरिफ तुम्हारी टोह में वाहर खड़ा हो ?···

जो

अरे ऐना, तुम वच्चों जैसी वातें करती हो···

मेरी

(जो खिड़की से वाहर झांक रही थी) लो, ग्रूवर आ गया है अव, पापा।

जो

(आश्वासित होकर) देखो ऐना, इस तरह डरने से काम न चलेगा।

ऐना

यही वातें करो, जो।

जो

यहां पर ? लेकिन तुम···

ऐना

(तेजी से) मैं भी सुनना चाहती हूं। नीद तो मुझे आ नहीं रही है।

[मेरी दरवाजा खोलने के लिए दौड़कर जाती है। ग्रूवर का प्रवेश।]

ग्रूवर

हेलो, मेरी।

मेरी

हेलो, ग्रूवर। हम लोग तुम्हारा इंतजार कर रहे थे।

ग्रूवर

देर हो गई मुझे।

जो

हेलो, ग्रूवर। बड़ी खुशी हुई कि तुम आ गए।

[दोनों हाथ मिलाते है]

ग्रूवर

हेलो, जो। अलेक कैसा है ?

जो

उसे नीद आ गई है।

ग्रूवर

(ऐना के पास जाकर) और तुम ऐना, तुम्हारी तबियत

कैसी है ?

[वह ऐना के सिर के नीचे का तकिया ठीक करता है ।]

ऐना

(मन्द मुस्कराहट के साथ) कुछ अच्छी हूं, ग्रूवर। धन्यवाद। यही है कि जब खड़ी होती हूं…तो सिर में बहुत ही चक्कर आने लगता है।

ग्रूवर

तुम बहुत जल्दी ठीक हो जाओगी। बस कोई चिंता न करो। सब ठीक हो जायगा।

ऐना

(आह भरकर) ग्रूवर, मैं चिन्ता नहीं करती, मुझे हरदम रुलाई आती है।

जो

तुम्हें रोना नहीं चाहिए, ऐना। मैं कहता हूं, सब ठीक हो जायगा ।

ऐना

(आंसू भरकर) कब ठीक होगा, जो ? जब मैं कब्र में पहुंच जाऊंगी !

ग्रूवर

ऐना, तुम्हे ऐसा खयाल मन में न लाना चाहिए, उनकी मजाल नहीं कि वे अब आगे कुछ करें…

जो

लेकिन जो कर लिया वह क्या काफी नहीं हुआ ? अलेक बेचारे ने उनका क्या बिगाड़ा था जो उसे इस बुरी तरह से पीटा। अभी कितनी उम्र ही है ? उसने किसी का कुछ कभी बिगाड़ा नहीं।

ग्रूवर

(उपयुक्त शब्द मिलने में कठिनाई हो रही है) तुम··· और तुम से जिन-जिन का सबन्ध है, जो। चाहे जो हो जाए, वह इस बात पर तुले हैं कि तुम्हारे हजार टुकड़े कर डालें।

ऐना

ग्रूवर, यही तो मेरा भी जी कह रहा है। मुझे जान पड़ता है कि कुछ बुरा होने वाला है। मैं जो से यही कहती हूँ। मैं कहती हूं कि अगर शेरिफ को नाराज करोगे तो वह हमें नुकसान पहुंचायेगा। और जो मेरा जी बोलता है। वही होता है···

जो

(शोकपूर्ण हृदय से) हां ऐना, मैं जानता हूँ। तुम्हारा जी सदा बुरी आशंकाएं ही करता रहता है। लेकिन मैं करूं तो क्या करूं ? (ग्रूवर की ओर अनुनय-पूर्वक देखता है) तुम्हीं बताओ ग्रूवर, मैं क्या करूं ? क्या मैं कह दूं उनसे कि आओ, जो कुछ है ले लो, मैं हारा ! अब दो वर्ष बाद क्या मैं अपना सर्वस्व उन्हे दे डालूं ?

ग्रूवर

(संकोच-पूर्वक) जो, मैं क्या राय दूं तुम्हे ? दुनिया में यह

सब से कठिन काम है···संभव है···

जो

(उत्सुकता से) लेकिन कहो तो, ग्रूवर ! बताओ मुझे !

ग्रूवर

यह इतना सहज नही है।

जो

मैं जानता हू ·····

ऐना

ग्रूवर, क्या हम अपनी जायदाद छोड दें ? यही मे···

ग्रूवर

(तेजी से) नही। यही तो तुम्हे नही करना चाहिए। तुमने इतने कष्ट सहे हैं और बात इतनी आगे बढ़ गई है कि अब सब्र कर लेना ठीक नही।

जो

यही तो मै भी सोचता हू, ग्रूवर। लेकिन देखो, अलेक की क्या गत की है उन्होने ? मैं बराबर यही समझता रहा कि झगडा कपनी और मेरे बीच में है। लेकिन अब उन लोगो ने हमारे बच्चो को मारना शुरू कर दिया है। ग्रूवर, यह बात ही दूसरी हो जाती है। मन को इससे बडा दुख होता है···

ग्रूवर

तुम्हारा बल तोड़ने के लिए वह क्या न कर डालेंगे ! तुमसे

नही जीतते तो तुम्हारे लड़को से सही। यह कहने की आवश्यकता नही···

जो

जानता हूं। दो वर्ष तक वह मुझे तग करते रहे।

ग्रूबर

ठीक। देखो, तुम आप सब समझ रहे हो। लेकिन मेरा तो यह विश्वास है। अगर मैं और तुम्हारे सब मित्र यह जानते कि गलती तुम्हारी है तो हम लोग कहते कि—छोड़ो। अपनी जगह उन्हे दे डालो और उसे लेकर यह जहन्नुम में जायं।

जो

(निराश होकर) लेकिन मै गलत रास्ते पर तो नही हू, कि हूं ग्रूबर ?

ग्रूबर

तुम वही कर रहे हो, जो दुनिया में कोई दूसरा आदमी करता। तुम अपनी चीज की रक्षा के लिए लड़ रहे हो। एक भले आदमी की भाति अपने जीने के अधिकार के लिए लड़ रहे हो। इनके लिए लड़ने का तुम्हे पूरा अधिकार है।

जो

(धीमे से) हां······ग्रूबर। मैं भी यही खयाल करता हूं। कितनी ही राते मैंने यही, जो तुम कहते हो, सोचते हुए काटी हैं। दो वर्ष से मैं भी यही अपने से कहता रहा हूं······(रुक जाता है)।

।

गूवर

लेकिन ?

जो

(धीरे-धीरे किंचित् कष्ट के साथ) लेकिन जब मैं कन्न घर से बाहर दौडकर गया····· और अलेक को जमीन पर पड़ा देखा, और देखा कि उसके मु ह से खून बह रहा है, तो मैं रोने लगा। मैंने अपने आप कहा—नहीं, जो, इस दर्जे तक बातें पहुच गई हैं तो सब्र करना ही अच्छा होगा। मैंने घर इसलिए नहीं किया था कि लाशें निकलें। जहा तक अपने ऊपर की बात है, गूवर, मुझे कुछ भी परवाह नहीं। एक क्या दस हजार शेरिफ हों तो अकेला इन दो हाथों से लड सकता हू। लेकिन···जब वह लोग हमारे बच्चों पर हाथ चलाते हैं···तब मैं कांप उठता हू। अब मैं कर ही क्या सः · , बताओ ?

गूवर

(उत्साह से) सब कुछ हो सकता है, जो ! तुम्हें यह न समझना चाहिए कि कपनियो और शेरिफो से लडने वाले दुनिया मे तुम्हीं अकेले हो। मैं कहता हू, तुम्हारे जैसे लाखों हैं। तुमने उनकी आवाजें नहीं सुनी हैं, लेकिन हैं अवश्य····· जो तुम्हारी ही तरह दबना, अपना गला घुटवाना, स्वीकार नहीं करते।

जो

(हकलाता हुआ) हा जरूर हैं। लेकिन···तो क्या इस कारण मैं···

ग्रूवर

(तेजी से) मुझे एक सवाल करने दो, जो। वही जो तुम ने अपने आप से सैंकड़ो वार किया होगा। तुम—एक अकेले गरीब किसान—इतने दिनों तक कंसालिडेटेड कम्पनी से क्यों लड़ते रहे, जबकि तुम बरावर जानते हो कि लाखो-करोड़ो डालर उनके पास हैं, पुलीस और राजनीति उनके वश की बात है, और इन कारणो से वह तुमसे वहुत अधिक वलशाली हैं ?

जो

(दृढ़ता से) इसलिए कि यह मेरा घर है। इस पर मेरा और मेरे बच्चो का अधिकार है। किसीको हक नही कि वह आकर मुझसे इसे छीन ले।

ग्रूवर

विल्कुल ठीक ! यह बात तो नही कि तुम जानते न रहे हो कि वह लोग क्या-क्या कर सकते हैं। तुमको यह मालूम होना चाहिए था कि जिस बात को वह चाहते हैं उसे पूरी करने के लिए वह कुछ उठा न रक्खेंगे।

जो

जानता मैं जरूर रहा।

ग्रूवर

लेकिन उससे तुम रुक तो नही गए ?

जो

नहीं।

ग्रूवर

तुम उनसे अभी और लड़ने वाले थे···कल रात तक।

जो

हां···लेकिन अलेक की जो गत उन्होने की, उससे मैं डर गया हू।

ग्रूवर

और अब तुम यह समझने लगे हो कि तुम्हारा पक्ष गलत है ? और यह कि तुम्हारे जीतने की अब उम्मीद नही है···

जो

(उत्सुकता-पूर्वक) क्या ऐसा समझते हो ?

ग्रूवर

(दृढ़ता से) जरूर तुम ऐसा समझते हो। तुमने सारी दुनिया को यह दिखा दिया कि आदमी में साहस हो सकता है, उसे दृढता-पूर्वक अपनी सपत्ति की रक्षा के लिए खडा होना और लड़ना चाहिए। तुम डरे नही। दूसरे भी न डरेंगे। अगर तुम्हारा जसा एक आदमी दो वर्ष तक डटा रह सकता है, तो लाखो आदमी—एक साथ मिलकर काम करें तो—दो हफ्ते के भीतर क्या नही कर सकते ? मेरा मतलब समझ रहे हो, जो ?

जो

(कुछ क्षण रुककर) हा···ग्रूवर··· मेरी समझ मे तो आ रहा है···

ग्रूवर

अच्छा तो मैं केवल इतना तुमसे कह सकता हूं। अब तुम अपने आप निश्चित कर लो कि तुम्हे क्या करना चाहिए।

जो

सिर्फ एक ही बात करनी है। है नही ?

ग्रूवर

वह क्या ?

जो

हम यही बने रहेगे।

ग्रूवर

मैं जानता था, तुम यही निश्चय करोगे।

जो

(ग्रूवर का हाथ सप्रेम ग्रहण करते हुए) ग्रूवर, लफ्जों से मै भुलावे मे आ जाता हूं...लेकिन मैं जानता हूं कि जो कुछ तुम कह रहे हो, तुम्हारे दिल की बात है। इसीसे मै तुम्हे अपना मित्र मानता हू।

ग्रूवर

तुम्हें मित्रों की कमी नही है, जो। मै भी उनमें से एक हूं।

जो

(अपना कोट पहनता हुआ) धन्यवाद, ग्रूवर। और अब जरा मै दवाखाने से अलेक के लिए दवा ला दू।

ग्रूवर

(अपनी घड़ी देखते हुए) साढे पांच बजे हैं। मुझे भी जाना है।

ऐना

(उठकर बैठती हुई) जो'''तुम चले न जाओ। मुझे अकेले बड़ा डर लगता है।

जो

ऐना, मैं जल्दी ही वापस आऊगा। पन्द्रह मिनट में। मैं तेजी से गया और लौटा।

ऐना

(आंसू भरकर) जो ! मत जाओ, कृपा करके !

ग्रूवर

मैं समझता हूं तुम अभी न जाओ, जो। ऐना इतनी डरी हुई है कि उसे अकेली छोड़ना ठीक नही।

जो

लेकिन दवा भी—

मेरी

पापा, मैं चली जाऊगी। तुम ठहरो।

जो

अच्छा मैं न जाऊँगा।

ग्रूवर

मेरी कार बाहर खडी है, मेरी। मैं तुम्हे पहुचा दूगा। (वह

ऐना के पास जाता है।) नमस्कार, ऐना। मैं फिर कल आकर तुम्हें देख जाऊंगा।

ऐना

(उसके हाथ को पकड़कर चूमती है) धन्यवाद...ग्रूबर, धन्यवाद।

ग्रूबर

(घबराहट से) किस बात के लिए ?

ऐना

तुम्हारी बातों से मजबूत हो गया है...यह...(हृदय की ओर इशारा करते हुए)।

मेरी

मेरी चिंता न करना, मां। मैं अभी आती हूं।

जो और ऐना

नमस्कार, ग्रूबर।

ग्रूबर

(दरवाजे के पास से) नमस्कार।

[मेरी के साथ बाहर जाता है।]

ऐना

(बहुत देर ठहरकर) जो, कल मेरी तबियत और अच्छी हो जाएगी। अलेक के लिए मैं मुर्गी का शोरबा बनाऊंगी।

जो

इसकी फिक्र न करो, ऐना। तुम बस पड़ी रहो, और

आराम करो। मेरी और मैं सब काम संभाल लेंगे और तुम्हारी भी फिक्र कर लेंगे।

ऐना

(आंसू भरे हुए) मैं नही कह सकती कि मैं इतनी डरी हुई क्यो हूं, जो। मेरा जी बहुत धड़क रहा है...जैसे...

जो

ऐना...मेरी प्यारी, ऐना। तुम इतनी घबड़ाई हुई हो, ग्रूवर ठीक तो कहता था। चिंता न करो। सब ठीक हो जायगा। देखो...अपनी आंखें मूंद लो। मैं जाकर खाना तैयार किए लेता हू। (उसकी पलकों को चूमता है) आंखें खूब मूदे रहना। मै अभी आता हूँ।

[रोशनी को धीमी कर देता है और रसोईघर में आहिस्ता से चला जाता है। हम उसे बर्तनों को इधर-उधर करते हुए सुनते हैं। बाहर अंधेरा हो रहा है। ऐना चुपचाप सोफे पर पड़ी है। लेकिन हम हवा में एक गहन भाव का अनुभव करते हैं। अचानक पुलिस की सीटी की तीक्ष्ण आवाज, शांति को टूक-टूक करती हुई सुनाई देती है। इसी के साथ ही कमरे की हल्की रोशनी भी जाती रहती है, जैसे बाहर किसी ने बिजली के तार काट दिये हो। ऐना घबराई हुई उठ बैठती है। उसी दम रुलाने वाली गैस का एक बम कमरे में फटता है, ऐना के पैरों के ठीक पास। हमें उसके जोर से खांसने की

आवाज सुनाई देती है। वह आगे के दरवाजे की ओर लड़-खड़ाती दिखाई देती है।]

ऐना

(चीख मारकर) जो ! जल्दी दौड़ो ! मेरा दम घुट रहा है। (बड़े ऊंचे स्वर से) जो !

[दरवाजे पर लात मारकर उसे कोई खोलता है, और ऐना पर कोई एक गोली चलाता है। एक तेज टार्च बाहर से दिखाई जा रही है, जिससे पता चलता है कि वह कहां है। वह बड़ी जोर से चीख मारकर जमीन पर गिरती है।]

डफी

(स्टेज के बाहर से) बाहर निकल आओ, जो ! हम तुमसे न बोलेंगे।

जो

(घबड़ाया हुआ दौड़कर कमरे में आता है) ऐना ! ऐना ! बाहर मत निकलना, यह लोग तुम्हे मार डालेंगे !

डफी

(उसी भाँति) बाहर निकल आओ, जो !

जो

(ऐना के शरीर से ठोकर खाता हुआ दूसरी ओर जाता है। मेज के पास दौड़कर पहुंचता है, और उसकी दराज से अपना पुराना फौजी रिवाल्वर निकालता है, और दर-वाजे पर दौड़कर आता है) मैं तुम्हे मार डालूगा ! मैं तुम्हे मार डालूगा !

मर्फी

(स्टेज के बाहर से) यह तो बंदूक लिए हुए है।

[बंदूक नहीं छूटती। दूसरी गोली चलती है और वह अपनी टांग पकड़े हुए जमीन पर गिर जाता है।]

बर्न्स

ले लिया है दोगले को मैंने !

[डफी, बर्न्स, वेल्स, मर्फी कमरे में घुस पड़ते हैं।]

डफी

(तेज़ी से) अपनी सफाई क्या होगी, पट्ठो समझे ! हम लोगो ने आत्मरक्षा में गोली चलाई है।

[ऐना के निकट घिसटकर आने का जो प्रयत्न करता है।]

बर्न्स

(उसे पकड़ता हुआ) पडा रह वहीं।

जो

(रोता हुआ) दया करो···शेरिफ···अब गोली न चलाओ। अब मैं सब छोडता हू।

मर्फी

(हंसता हुआ) छोडता हूं, हैं न ? अब तुझे पाया है हम लोगो ने ! (उसे दरवाजे की ओर घसीटने में बर्न्स की मदद करता है।)

डफी

(वेल्स से) ऊपर जाकर देखो तो। कोई और तो कहां छिपा

हुआ नही है (वेल्स बाहर जाता है) अच्छा, अब इसे कार पर ले चलो।

[वेल्स वापस आता है।]

वेल्स

बस वही लौंडा है जिसे हम लोगो ने कल रात पीटा था। बिस्तर पर पड़ा हुआ है।

डफी

पड़ा रहने दो उसे। वह अपनी भुगत चुका।

[वह लोग जो को घसीटते हैं।]

जो

(चीखते हुए) मेरी घरवाली है। शेरिफ, कृपा करो! एक डाक्टर जल्दी से बुलवाओ।

डफी

(ऐंठकर) भाड़ में जाय तुम्हारी घरवाली। ठीक पडी है। (वेल्स से) तुम क्या खड़े-खड़े कर रहे हो जी? कुछ करेगा भी निकम्मा कही का! (वेल्स स्तंभित और घबराया हुआ, स्वभावतः उधर जाता है जिधर ऐना पड़ी हुई है।) दूर रह उससे! (चीखता है)।

वेल्स

(डरा हुआ) मैं नही जानता था कि ऐसी गोलियां चलेंगी।

डफी

(क्रोध से लाल होकर) तुम नही समझते थे!...(हाथ

उठाता है, मानो मारने को हो। वेल्स बाहर भागता है। वह लोग जो को बाहर ले जाते हैं। हम उनकी आवाजें सुनते हैं। डफी की आवाज सबसे ऊंची सुनाई देती है।) चलो, जल्दी करो ! सारी रात यहीं बिता दोगे !

जो

(स्टेज से बाहर, जोर से) ऐना, विदा। नमस्कार !

डफी

बन्द करो इस का मुंह।

[एक थप्पड़ की आवाज सुनाई देती है। उनकी आवाजें मंद पड़ती जाती हैं। ऐना वहीं फ़र्श पर पड़ी है। खून के बंडल जैसी, मौत की-सी खामोशी में। घर में अंधकार छा गया है। रसोईघर का दरवाजा धीमे से खुलता है, और अलेक प्रवेश करता है। उसका सिर पट्टियों से बंधा हुआ है। सोने के पायजामे के ऊपर एक जाकट पड़ी है। वहा पर खड़ा होता है, दरवाजे का सहारा लेकर स्तंभित। धीमे से कहता है 'मा ?' फर्श पर पड़े हुए शरीर को देखता है, फिर एकाएक चीख उसके कांपते हुए होठों से निकल पड़ती है, और वह भी फर्श पर गिर जाता है।]

अलेक

मा ! मैं हू अलेक ! बोलो मुझसे ! मा ! बोलो मुझसे ! (फूटकर रोने लगता है।)

(परदा)

विष्कम्भक

अब स्टेज बिल्कुल अंधकारमय हो चुका है, केवल एक धीमी हरी या पीली रोशनी पीछे से आकर वातावरण को भासित करती है। इस क्षण कुछ परछाइयां दिखाई पड़ती हैं, और गुजरती हुई मकान के सामने खड़ी हो जाती हैं। यह जो और ऐना स्टोपा के मित्र और पड़ोसियों की परछाइयां हैं। पहले तो हर एक आवाज अपनी-अपनी पंक्तियां उच्चारण करती है। जब सब स्पीचें खतम होती हैं, उसके बाद धीमी ममंर ध्वनि सुनाई देती है और यह ध्वनि बढ़ती ही जाती है। यह ध्वनि जब समाप्त होगी तब हम अंतिम दृश्य अर्थात् अंत्येष्टि क्रिया के दृश्य पर पहुंच जायेंगे। यदि संभव हो, यहां पर विषादमय संगीत कराया जाना चाहिए। मृत्यु के अवसर पर गाए जाने वाले भजनों में से एक चुन लिया जा सकता है। इसे स्टेज से बाहर सुनाई देना चाहिए और जब पादरी माइकेल प्रकट हो तब इसे धीमा पड़ते जाना चाहिए। आगे आनेवाली सभी पंक्तियां धीमे तथा गंभीर स्वर में उच्चरित होंगी।

पहली स्त्री

(कठोर स्वर में) तुमने सुना ऐना स्टोपा की हत्या हुई है?

दूसरी स्त्री

(भयभीत-सा स्वर) पांच घटे वह खून से भरी हुई मृत्यु के अंधकार में पड़ी रही !

पहला मनुष्य

(तीव्र स्वर में) वह लोग नशे में चूर आए थे, उनके होठो से घृणा टपक रही थी।

दूसरा मनुष्य

(दृढ़ता से) किसी को दया न आई !

तीसरी स्त्री

(रुआसे स्वर में) प्राण……उस के शरीर के, दो गोलियो के छेदो ने हर लिए।

तीसरा आदमी

(शोकमय स्वर में) और जो कहता था कि हम ने घर इस लिए नही बनाया कि लाशें गिरें।

चौथा आदमी

(तीव्र स्वर में) क्या हम चुप रहेगे ?

भीड़

(शाति और उत्सुकता से) श-श-श-श··

पाचवी स्त्री

(सामने आकर) अब शीघ्र आरम्भ होगा···

(परदा)

पांचवां दृश्य

स्टोपा के घर के सामने

जो कुछ होता है उसके बीच में बत्तियां जलती रहती हैं। मानो सवेरे का प्रकाश धीमे-धीमे आ रहा हो। हमें सहसा जान पड़ता है कि अंत्येष्टि संस्कार होने जा रहा है। हम देखते हैं कि जो एक कुरसी पर बैठा है; उसकी टांग में पट्टियां बंधी हैं। अपने सिर को अपने हाथों पर डाले हुए है। मेरी धरती पर बैठी है, उसका सिर पिता के घुटनों पर टिका है, उसके कंधे हिल रहे हैं, जैसे सिसकियां ले रही हो। लोगों के दृढ़, दुखी मुखड़े भीड़ में दिखाई दे रहे हैं। औरतें अपने मुख रूमाल से ढके हुए हैं। जैसे ही पादरी माइकेल गिरजाघर की लिबास में आता है, मौन भंग होता है। वह चबूतरे पर खड़ा होकर धीमे गंभीर स्वर में बोलना आरभ करता है।

पादरी माइकेल

(धीमे और अभिनय के साथ; चढ़ाव-उतार के स्वर में) और यही कारण है, मेरे बच्चो, कि हमारी प्रिय बहन, ऐना स्टोपा इस संसारी जीवन को छोड़कर चली गई। हमारे स्वामी, ईसा मसीह ने उसे अपने पास बुला लिया। ऐना अब स्वर्ग में देव-दूतो के साथ भजन गाती है···

भीड

(धीमे, अत्यन्त मंद स्वर में) आमीन !

पादरी माइकेल

(उसी भांति) परन्तु जब कि हम यहा खडे होकर उसके लिए मातम कर रहे हैं, और उसकी अनन्त शान्ति के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, तब हमें अपने हृदयो को उन गुमराह भाइयो के विरुद्ध घृणा से नही भरने देना चाहिए, जिन्होंने बच्चो की भांति क्रोध में रक्तपात किया है। (भीड़ अधीर हो उठती है) याद रखना, मेरे बच्चो, सभी ने अपराध किया है। कोई पुण्यात्मा नही है। यदि कोई अन्याय हुआ है·· तो इसका दंड दिया जायगा·· उस अन्तिम न्याय के दिन ··स्वर्ग में। आओ हम अपनी प्यारी बहन से, हृदयो मे प्यार रखकर, विदा हो। हम उन भाइयो को क्षमा कर दें जिन्होंने स्वामी की दृष्टि में अपराध किया है। क्योंकि ईसा मसीह ने कहा है···पाप की कमाई मृत्यु है·· और मृत्यु के अनन्तर···

[ग्रूवर अधीर और चंचल होकर चबूतरे पर कूदकर आ जाता है।]

ग्रूबर

(स्थिरता से) पिता, इस प्रकार बात काटने के लिए क्षमा करो। यह बड़ा गम्भीर अवसर है, मैं जानता हू, परन्तु, ऐसा नही कि आप पवित्र पुस्तको से उद्धरण सुनावें…

पादरी माइकेल

(तनिक खांसते हुए) भाई…

ग्रूबर

(उसी भांति) जो कुछ हुआ है, उसे साफ-साफ क्यो नही कहते हो ? क्या तुम उसे जानते नही हो, पिता ! या उसे कहने का साहस नही है !

पादरी माइकेल

(तीव्रता से) तुम भूल रहे हो कि वह……

ग्रूबर

(बात काटकर) मैं भूल कुछ नही रहा हूं। (भीड़ की तरफ मुड़कर जहां कानाफूसी चल रही है, वह अपना हाथ शांति निर्दिष्ट करने के लिए ऊपर उठाता है।) हा, मेरे मित्रो, पिता माइकेल ठीक कहते हैं ! हमारा न्याय का दिवस निकट आ रहा है ! परंतु न्यायकर्ता होगे हम लोग ! क्या यह उचित है कि हम लोग मौन खड़े रहे, और न्याय का काम अपने वैरियो पर छोड़ दे ? नही ! जो घटना ऐना और जो पर घटी है, हम सब पर घट सकती है। कोई सुरक्षित नही है। इसी से हमें एक साथ मिलकर सामना करना चाहिए…

पादरी माइकेल

(उसके कंधे पर हाथ रखते हुए) भाई···

ग्रूवर

(उसका हाथ झिटककर) मुझे अपनी बात खतम करने दो !

पादरी माइकेल

लेकिन अत्येष्टि क्रिया······

भीड़ से एक पुरुष की आवाज

उसे अपनी बात पूरी करने दो !

पादरी माइकेल

(क्रोध-पूर्वक) तुम सब······

ग्रूवर

(जो की ओर घूमकर) सुनो, जो, जो कुछ मैं कह रहा हू । अपने दुख में तो तुम अकेले नही हो । हम सब तुम्हारे साथ दुखी हैं । लेकिन ऐना की मृत्यु व्यर्थ नहीं हुई है । उसकी मृत्यु हम सबको एक दूसरे के और भी निकट लाई है । उसने हमें अपना खतरा देखने का अवसर दिया है, और दिया है प्रकाश । हम जानते हैं कि जिन लोगो ने उसकी हत्या की है वे साफ छूटेंगे । हम न्यायालयो के झुटकारे मे नहीं आ सकते, जो कि उनके अपराधो पर चूना पोतने का ढग निकालेंगे, परतु वह लोग अपराधी है जरूर ! क्योंकि हम उन्हे अपराधी निर्धारित करते है ! (भीड़ की ओर मुड़कर)

सुनो ! सब लोग सुनो ! जब हम इस तरह मरेंगे तो दुनिया हमारी क्षति पर तरस खाएगी। हमें किसी के तरस की आवश्यकता नही !

भीड़

(उच्च स्वर से) नही है !

पादरी माइकेल

(चबूतरे के किनारे आकर और लोगों को शांत करने के लिए हाथ उठाते हुए) बच्चो ! शरम खाओ। याद रक्खो ! मृत आत्मा की शाति के लिए''

ग्रूबर

(उसकी तरफ मुड़कर) नही, पिता ! जीवित आत्माओं की शांति के लिए ! मृत को हम दफन कर चुके !

(परदा)